कूकगि आयल को जैव ईंधन में परविर्तति करने की पहल

चर्चा में क्यों?

खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधकिरण (FSSAI) ने हाल ही में RUCO (Response Used Cooking Oil) लॉन्च किया| यह पहल प्रयुक्त कुकगि आयल को बायो-डीज़ल में संग्रह और रूपांतरण करने में सक्षम होगी। खाद्य सुरक्षा नियामक ने खाना पकाने के लिये उपयोग में लाए जाने वाले आयल के मानकों को अधसिूचति करने के लगभग एक महीने बाद यह पहल शुरू की है।

प्रमुख बदिु

- एफएसएसएआई यह सुनश्चिति करने के लिये नियमों को पेश करने पर भी वचिार कर सकता है कि बड़ी मात्रा में कुकगि आयल का उपयोग करने वाली कंपनयिाँ इसे पंजीकृत संग्रहण एजेंसयिों को जैव ईंधन में परविर्तति करने के लिये सौंपें।
- इस पहल के तहत इस्तेमाल कयि गए कुकगि आयल के संग्रह को सक्षम बनाने के लिये 101 स्थानों पर 64 कंपनयिों की पहचान की गई है। उदाहरण के लयि, मैकडॉनल्ड्स ने पहले ही मुंबई और पुणे में 100 आउटलेटों में प्रयुक्त कुकगि आयल को बायोडीज़ल में परविर्तति करना शुरू कर दयिा है।
- नयिामक का मानना है कि भारत में 2022 तक एक समन्वति कार्रवाई के माध्यम से बायोडीज़ल के उत्पादन के लिये 220 करोड़ लीटर प्रयुक्त कुकगि आयल को प्राप्त करने की क्षमता है।
- यद्यपि प्रयुक्त कुकगि आयल से उत्पादति बायोडीज़ल की मात्रा वर्तमान में बहुत कम है, लेकनि भारत में रूपांतरण और संग्रह के लिये एक मज़बूत पारस्थितिकी तंत्र तेज़ी से बढ़ रहा है और जल्द ही यह बड़ा आकार ले लेगा।
- एफएसएसएआई कारोबार हेतु एक स्टॉक रजसि्टर तैयार करना चाहता है जसिमें 100 लीटर से अधकि आयल के उपयोग संबंधी समस्त जानकारी उपलब्ध होगी| ऐसी संभावना है कि इन बदिुओं पर एक वनियिमन प्रणाली वकिसति की जाएगी|
- एफएसएसएआई नयिमों के अनुसार, कुल ध्रुवीय यौगकिों (Total Polar Compounds-TPC) के लिये अधकितम स्वीकार्य सीमा 25 प्रतशित नर्धारति की गई है, इसके बाद कुकगि आयल की खपत असुरक्षति मानी गई है|

भागीदारी

- एफएसएसएआई भारत के बायोडीज़ल एसोसएिशन और खाद्य उद्योग के साथ भागीदारी में भी काम कर रहा है ताकि प्रयुक्त कुकगि आयल नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनश्चिति कयिा जा सके।
- इस संबंध में एक मार्गदर्शन दस्तावेज़ प्रकाशति करने का प्रयास कयिा जा रहा है| यह अपने ई-चैनलों के माध्यम से कई जागरूकता अभयिान भी चला रहा है।
- एफएसएसएआई ने बायोडीज़ल में प्रयुक्त कुकगि आयल के संग्रह और रूपांतरण की प्रगति की नगिरानी के लिये अतरिक्ति रूप से एक माइक्रो साइट लॉन्च की है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/fssai-unveils-initiative-to-collect-convert-used-cooking-oil-into-biofuel